भा. कृ. अनु. प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई-400061
जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए "जलीय कृषि में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं के तहत मछली स्वास्थ्य प्रबंधन" पर 20-21 मार्च, 2025 के दौरान दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

प्रतिवेदन

अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत, आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने राज्य मत्स्य विभाग, बिहार के सहयोग से 20-21 मार्च, 2025 के दौरान बिहार के गया जिले में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए "जलीय कृषि में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं के तहत मछली स्वास्थ्य प्रबंधन" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 33 पुरुष और 2 महिला प्रतिभागियों सहित कुल पैंतीस अनुसूचित जाति के किसानों ने भाग लिया और उन्हें जलीय कृषि इनपुट किट (फ़ीड और CIFAX रसायन) प्राप्त हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को जलीय कृषि में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जानकारी देना; सामान्य रोगों की पहचान और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं पर अभ्यास कराना है। मत्स्य पालन के उप निदेशक, मगध क्षेत्र डॉ. विविप ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और किसानों के लिए ग्रामीण रोजगार और प्रभावी आय सृजन स्रोत के लिए जलीय कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला डॉ. कुंदन कुमार वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी, आईसीएआर-सीआईएफई ने मीठे पानी की मछलियों में होने वाली आम बीमारियों के बारे में जानकारी दी और डॉ. सौरव कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी, आईसीएआर-सीआईएफई ने जलीय कृषि में स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, प्रतिभागियों के लिए "जलीय कृषि में बीएमपी" पर एक बातचीत और व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। तालाब की स्थिति और जलीय कृषि में भोजन की पहचान करने के लिए चयनित स्थानीय अनुसूचित जाति के किसानों के तालाबों का दौरा भी प्रदर्शित किया गया। प्रतिभागियों के साथ फीडबैक और समूह चर्चा आयोजित की गई। 21 मार्च, 2025 को समापन समारोह और किट वितरण मुख्य अतिथि मुख्य जिला परिषद, गया द्वारा डीएफओ, गया, बिहार और समन्वयकों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सौरव कुमार और डॉ. कुंदन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी, आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा, डॉ. मेघा के. बेडेकर, प्रमुख, एईएचएम प्रभाग, आईसीएआर-सीआईएफई, डॉ. मुनीलकुमार सुखम, प्रधान वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी एससीएसपी, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के मार्गदर्शन में किया गया।

Scheduled Caste Sub Plan sponsored two days training-cum-demonstration programme on "Fish Health Management under Best Management Practices in Aquaculture" for Schedule Caste farmers during 20-21 March, 2025 at Gaya district, Bihar

Report

Under Scheduled Caste Sub Plan, ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai has organized a two days training-cum-demonstration programme on "Fish Health Management under Best Management Practices in Aquaculture" for Schedule Caste

farmers during 20-21 March, 2025 at Gaya district, Bihar in collaboration with State Fisheries Department, Bihar. A total thirty-five SC farmers consisting 33 male and 2 female participants were attended and received aquaculture input kits (Feed & CIFAX chemical) during the training program. The aims of the programme to impart the farmers about best management practices in aquaculture; hands-on the common disease identification and health management practices. The Deputy Director of Fisheries, Magadh Region Dr. Vivip inaugurated the programme and highlighted the importance of aquaculture for rural employment and effective income generation source for the farmers. Dr. Aklakur, Senior Scientist, CIFE Motipur regional center, Bihar delivered a lecture on "Feed Management in Freshwater Fish Culture" and highlighted the importance of feed for improving the fish production and health. Dr. Kundan Kumar Senior Scientist, AEHMD, ICAR-CIFE delivered and demonstrated about the common diseases in freshwater fishes & Dr. Saurav Kumar, Senior Scientist, AEHMD, ICAR-CIFE informed about the health management practices in aquaculture. Further, an interaction and practical demonstration on "BMP in aquaculture" was performed for participants. Local farm visits of the selected Scheduled cast farmers ponds for identifying the pond conditions & feeding in aquaculture was also demonstrated. The feedback and group discussion was conducted with participants. On 21 March, 2025 Valedictory function and kit distributions was facilitated by chief guest of valedictory function the Chief District Council, Gaya in presence of DFO, Gaya, Bihar and coordinators. The programme was coordinated by Dr. Saurav Kumar & Dr. Kundan Kumar, Senior Scientist, AEHMD, ICAR-CIFE under the guidance of Dr. Megha K. Bedekar, Head, AEHM Division, ICAR-CIFE, & Dr. Munilkumar Sukham, Principal Scientist & Nodal Officer SCSP, ICAR-CIFE, Mumbai.

भा. कृ. अनु. प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई-400061

जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग

वर्ष 3 - अंक 223 - कुल पृष्ठ

अनुसूचित जाति उप परियोजना के तहत जलकृषि मे स्वास्थ्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण किया गया

गया टुडे संवाददाता

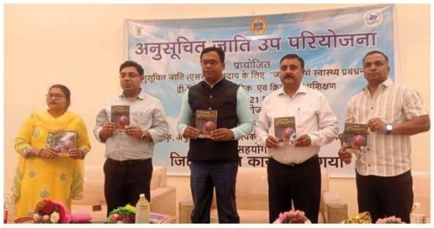

मानपुर (गया): मानपुर गया नवादा रोड स्थित कर्णवाली रिसोर्ट मे जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के सहयोग से एवं जिला मत्स्य कार्यालय के सयुंक्त से दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सतत जल कृषि के लिए मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर दिया गया प्रशिक्षण।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई एवं जिला मत्स्य कार्यालय गया बिहार के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उप परियोजना के तहत सतत जल कृषि के लिए उत्तम प्रबंधन पद्धति एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अनुसूचित जाति समुदाय से 70 किसानों को व्यावहारिक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के पहला दिन पर केंद्रीय मत्स्यिकी की शिक्षा संस्थान मुंबई के जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य विभाग के वैज्ञानिक डॉ कुंदन कुमार और डॉ सौरव कुमार ने मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर कृषकों को विस्तृत जानकारी दिए, वरिष्ठ वैज्ञानिक केंद्रीय मत्स्यकि शिक्षण संस्थान मोतीपुर केंद्र के डा. अखलाकुर ने जल कृषि एवं सतत जल कृषि के लिए उत्तम प्रबंधन पद्धतियों पर चर्चा किया गया। जिला मत्स्य कार्यालय गया के उप मत्स्य निदेशक डा. विपिन ने किसानों को मछली पालन में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर प्रकाश डाला वही गया जिला मत्स्य पदाधिकारी पुरुषोत्तम कुमार ने किसानों को सरकार के विभिन्न योजनाओं का विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मानपुर, टेकरी, बेलागंज के 70 किसान मतस्य प्रशिक्षण मे भाग लेकर शामिल हुए। किसानों ने इस प्रशिक्षण का लाभ उठाया और उत्तम जल कृषि प्रबंधन एवं स्वास्थ्य प्रबंधन प्रवासियों की विषय पर प्रशिक्षण लेकर मछली पालन की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ेगी और गया के किसान मछली उत्पादकता में अपनी अलग पहचान बनाएगी।

अनुसूचित जाति उप परियोजना मत्स्य प्रशिक्षण का हुआ समापन

संवाददाता। धीरज गुप्ता।। गया।

मानपुर गया नवादा रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट मे अनुसूचित जाति समुदाय के लिए उप परियोजना जल कृषि मे प्रबंधन पर दो दिवसीय व्यावहारिक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण का समापन किया गया। मत्स्य स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. सौरभ कुमार ने कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय के कृषकों को उत्तम स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण एवं जल कृषि संवर्धन मैं उपयोग हेतु एक किट 160 कग खाद्य एवं एक लीटर सी फैक्स रसायन निःशुल्क वितरण किया गया। जो इस कृषि से जुड़े लोगों को उनके उत्पादन मछली उत्पादन के लिए उपयोगी होगी। इस कार्यक्रम का केंद्रीय मत्स्यकी शिक्षण संस्थान, मुंबई एवं जिला मतस्य कार्यालय गया बिहार के सयुंक्त तत्वाधान द्वारा किया गया। जिप सदस्य भोला चौधरी ने कहा कि मतस्य पालन से किसान को काफी लाभ मिलेगा। मानपुर मे दो दिवसीय प्रशिक्षण से किसान मछली पालन का जो अनुभव प्राप्त किये हैं। एवं मछली पालन के लिए किसानो को निःशुल्क दवा एवं अनाज वितरण किया गया है। जिले के अधिकारी एवं मत्स्य पालन से जुड़े लोग मौजूद हुए। मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य कुंदन कुमार उर्फ भोला चौधरी, भोरे पंचायत के मुखिया रामप्रवेश यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

अनुसूचित जाति उप परियोजना मत्स्य प्रशिक्षण का हुआ समापन

गया टुडे संवाददाता

मानपुर (गया): मानपुर गया नवादा रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट मे अनुसूचित जाति समुदाय के लिए उप परियोजना जल कृषि मे प्रबंधन पर दो दिवसीय व्यावहारिक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण का समापन किया गया। मत्स्य स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. सौरभ कुमार ने कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय के कृषकों को उत्तम स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण एवं जल कृषि संवर्धन मैं उपयोग हेतु एक किट 160 कग खाद्य एवं एक लीटर सी फैक्स रसायन निःशुल्क वितरण किया गया। जो इस कृषि से जुड़े लोगों को उनके उत्पादन मछली उत्पादन के लिए उपयोगी होगी। इस कार्यक्रम का केंद्रीय मत्स्यकी शिक्षण संस्थान, मुंबई एवं जिला मतस्य कार्यालय गया बिहार के सयुंक्त तत्वाधान द्वारा किया गया। जिप सदस्य भोला चौधरी ने कहा कि मतस्य पालन से किसान को काफी लाभ मिलेगा। मानपुर मे दो दिवसीय प्रशिक्षण से किसान मछली पालन का जो अनुभव प्राप्त किये हैं। एवं मछली पालन के लिए किसानो को निःशुल्क दवा एवं अनाज वितरण किया गया है। जिले के अधिकारी एवं मत्स्य पालन से जुड़े लोग मौजूद हुए। मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य कुंदन कुमार उर्फ भोला चौधरी, भोरे पंचायत के मुखिया रामप्रवेश यादव सहित कई लोग मौजूद थे।